गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 102
दि. 10.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी आज बंगलूरू को देंगे यलो लाइन मेट्रो, वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बंगलूरू में यलो लाइन मेट्रो और बंगलूरू-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय

के अनुसार, प्रधानमंत्री सुबह 10.30 बजे एचएएल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वह पहले केएसआर बंगलूरू स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

19.15 किमी लंबी यलो लाइन पर 16 स्टेशन हैं, जिसकी लागत 5,056.99 करोड़ रुपये है।

फारुख अब्दुल्ला अब किस बात पर हुए खफा? अंग्रेजो का भी किया जिक्र

नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने "लायन ऑफ नौशेरा" नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, "अगर मुसलमान का खून बहता है, तो कोई परवाह नहीं करता, लेकिन अगर हिंदू का खून बहे, तो पूरा देश खड़ा हो जाता है। अब्दुल्ला ने विभाजन के समय की स्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना को लगता था कि कश्मीर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है और भारत के बजाय पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। किताब के उद्घाटन के मौके पर फारुख अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी की।

खान सर का रक्षाबंधन: पटना में 'शिक्षक' को 15 हजार बहनों ने बांधी राखी, पूछा-भाभी कहां हैं?

धार्मिक सीमाओं को पार करते हुए हजारों हिंदू बहनों से कलाई पर रक्षा सूत्र सजवाने वाले देश के चर्चित शिक्षक खान सर ने रक्षाबंधन 2025 पर भी एक नई मिसाल कायम की है। बिहार की राजधानी पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 9 अगस्त (शनिवार) को खान सर की रक्षाबंधन में पढ़ाई और स्नेह का रिश्ता धर्म की दीवारें लांघकर भाई-बहन के पवित्र बंधन में बदल गया। इस साल 15,000 से ज्यादा छात्राओं ने अपने "गुरु-भाई" खान सर को राखी बांधी हैं।

नागपुर में निमार्णाधीन इमारत ढही, लगभग 16 मजदूर हुए घायल, बचाव कार्य जारी

महाराष्ट्र के नागपुर में एक निमार्णाधीन इमारत का हिस्सा ढह गया, जिससे 15 से 16 मजदूर घायल हो गए हैं। यह घटना खापरखेड़ा से कोराडी मंदिर मार्ग पर एक गेट के निर्माण के

दौरान हुई। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नागपुर के डीएम डॉ. विपिन इटनकर ने इस घटना पर जानकारी देते हुए बताया, "जब स्लैब के लिए आरसीसी (रिइन्फोर्स्ड सीमेंट कॉन्क्रीट) डाली जा रही थी, तभी वह ढह गई। इसमें काम कर रहे 15 से 16 मजदूरों को हल्की चोटें आई हैं।"

'पिछले 10 सालों में भारत ने की ऐतिहासिक प्रगति', ब्राजील ने पीएम मोदी को लेकर भी कही बड़ी बात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत की प्रगति का पुरजोर समर्थन करते हुए भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स दा नोब्रेगा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और पिछले एक दशक में देश के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्रों में हुए विकास को शानदार बताया। उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा को मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं लेकिन...

उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील

यात्रा को मील का पत्थर बताया। विशेष बातचीत में राजदूत दा नोब्रेगा ने कहा कि भारत का मूल्यांकन करना ब्राजील का काम नहीं है, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने जो देखा है वह वाकई शानदार विकास है। बेशक, हम कोई फैसला नहीं सुना सकते हैं, लेकिन प्रगति स्पष्ट है।

रक्षा, ऊर्जा, दवा, क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं

उन्होंने कहा कि अगर मैं गलत नहीं हूं तो पिछले 20 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ये पहली ब्राजील यात्रा है। उन्होंने कहा कि रक्षा, ऊर्जा, दवा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में भारत और ब्राजील साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले दो वर्षों में ब्राजील से 77 कारोबारी प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया, जबकि भारत से 40 मिशन ने ब्राजील में संभावनाएं टटोलीं।

एसआई पेपर लीक कांड में बड़ा खुलासा: पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के पीएसओ व बेटे की गिरफ्तारी

(जीएनएस)।

राजस्थान में 2021 की सब-इंस्पेक्टर भर्ती, जो युवाओं के सपनों का दरवाजा खोलने वाली मानी जा रही थी, अब सत्ता के गलियारों में फैले एक संगठित रैकेट का प्रतीक बन गई है। ताजा घटनाक्रम में एसओजी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव और उनके बेटे भरत यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पीएसओ ने अपने ही बेटे को पास कराने के लिए परीक्षा का पेपर खरीदना।

मीडिया की खबरों के अनुसार शनिवार देर रात हुई इस कार्रवाई में राजस्थान एसओजी की टीम सीधे जयपुर के उस पते पर पहुंची, जहां राजकुमार यादव मौजूद थे। साथ ही भरत यादव को भी हिरासत में लिया गया। शुरूआती पूछताछ में यह साफ

हो गया कि भरत ने लिखित परीक्षा पास कर ली थी, लेकिन फिजिकल टेस्ट में असफल रहा। यह सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का मामला नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा था।

आरपीएससी सदस्य से लिया पेपर

राजकुमार यादव सिर्फ गहलोत के PSO ही नहीं, बल्कि कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भी सुरक्षा अधिकारी रह चुके थे। यही वह दौर था जब उनकी नजदीकी मंत्री के निजी सचिव कुंदन कुमार पांड्या से हुई। पांड्या पर आरोप है कि उन्होंने आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से पेपर हासिल कर, इसे चुनिंदा लोगों तक पहुंचाया, जिनमें एक नाम राजकुमार का था।

स्कूल से शुरू हुआ खेल

पेपर जयपुर में हसनपुरा के एक निजी स्कूल से लीक हुआ। वहां के प्रिंसिपल और परीक्षा अधीक्षक राजेश खंडेलवाल ने 10 लाख रुपए लेकर प्रश्नपत्र बाहर भेजा। एक युवक विवेक उर्फ यूनिक ने स्ट्रॉन्ग रूम से लिफाफा चीरकर फोटो निकाली और वॉट्सऐप पर भेज दी।

'महाराष्ट्र मे मिली थी 160 सीट जिताने की गारंटी लेकिन राहुल गांधी', शरद पवार ने किया चौंकाने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने राहुल गांधी द्वारा कथित चुनावी अनियमितताओं पर दिए गए बयान की प्रशंसा की है। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा गांधी से एक अलग हलफनामा मांगने की आलोचना भी की। इसके साथ ही शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बड़ा ही चौंकाने वाला खुलासा किया है।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने खुलासा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले दो लोग उनसे मिले थे। इन लोगों ने उन्हें 288 सीटों में से 160 सीटें जीतने की गारंटी देने का दावा किया था।

पवार ने बताया, "मैंने इन लोगों की मुलाकात राहुल गांधी से करवाई। उन्होंने गांधी को अपनी पेशकश बताई, लेकिन हम दोनों ने इस प्रस्ताव

को अस्वीकार कर दिया और कहा, 'यह हमारा तरीका नहीं है।' हमें शायद इसे इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था, लेकिन मुझे अब भी याद है कि विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले, दो लोग दिल्ली में मुझसे मिलने आए थे।"

शरद पवार ने आगे कहा, "उन्होंने मुझे बताया कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं, और वे हमें उनमें से 160 सीटों की गारंटी दे सकते हैं। मैं हैरान था। मैं स्पष्ट कर दूं कि भले ही उन्होंने ऐसी गारंटी का दावा किया हो, मुझे चुनाव आयोग पर कोई संदेह नहीं था। लेकिन ऐसे लोग आते रहते हैं, इसलिए मैंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया।"

शरद पवार ने स्पष्ट किया, "मैंने राहुल गांधी के साथ उनकी मुलाकात तय की। उन्होंने उन्हें वह सब बताया जो वे चाहते थे। हालांकि, राहुल गांधी और मुझे दोनों को लगा कि हमें ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह हमारा रास्ता नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में भाणवड तहसील के बरडा क्षेत्र में स्थित टींबडी में राज्य स्तरीय 'विश्व शेर दिवस' मनाया जाएगा

गांधीनगर, 09 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव तथा गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मुळुभाई बेरा की विशेष उपस्थिति में 10 अगस्त 2025 रविवार को सुबह 10 बजे देवभूमि द्वारका की भाणवड तहसील के टींबडा में कपूरडी-घुमली रोड क्षेत्र में राज्य स्तरीय 'विश्व शेर दिवस' भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के जल संसाधन मंत्री श्री कुँवरजी बावळिया तथा वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेश पटेल अतिथि विशेष के रूप में उपस्थित रहेंगे।

राज्य के वन विभाग द्वारा इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा गया है कि जंगल के राजा शेर के प्रति नागरिकों में अधिक से अधिक जागरूकता लाने तथा शेरों के उचित संवर्धन-संरक्षण के उम्दा उद्देश्य से गुजरात सहित विश्वभर में हर वर्ष 10 अगस्त को 'विश्व शेर दिवस' मनाया जाता है। समग्र देश में एकमात्र गुजरात में बसने वाले एशियाई शेर राज्य के आभूषण-गौरव समान हैं।

एशियाई शेर देश में केवल सौराष्ट्र क्षेत्र के लगभग 11 जिलों में प्राकृतिक वातावरण में मुक्त रूप से विचरण करते हुए पाए जाते हैं।

वन विभाग के उपक्रम से सौराष्ट्र के 11 जिलों जूनागढ, गीर सोमनाथ, भावनगर, राजकोट, मोरबी, सुरेन्द्रनगर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, अमरेली, पोरबंदर तथा बोटाद में 'विश्व शेर दिवस' मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मुळुभाई बेरा व वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा गुजरात में शेरों के संरक्षण-संवर्धन के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं।

'विश्व शेर दिवस' वर्ष मनाने की शुरूआत 2013 से हुई है। गुजरात में मनाए गए 'विश्व शेर दिवस' उत्सव को वर्ष 2016 में वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया, वर्ष 2017 में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स व एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ष 2019 में वर्ल्ड बुक ऑफ इंडिया एवं वर्ष 2022 में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान मिला है।

'बरडो' (बरडा) के रूप में जाना जाने वाला 'बरडा वन्यजीव अभयारण्य' गुजरात के पोरबंदर तथा देवभूमि द्वारका जिलों में स्थित अति महत्वपूर्ण जैव विविधता वाले प्रदेशों में एक है। वर्ष 1979 में अभयारण्य के रूप में घोषित हुआ बरडा अतीत में पोरबंदर तथा जामनगर राजवंशों का शिकार क्षेत्र था। आज यह एशियाटिक शेरों के संरक्षण के लिए विकसित किए गए व्यापक दृष्टिकोण वाला महत्वपूर्ण आवास बन गया है।

बरडा क्षेत्र शेरों के द्वितीय निवास स्थान के रूप में पहचान हासिल कर रहा है। इस बरडा अभयारण्य का कुल क्षेत्र 192.31 वर्ग किलोमीटर है। वर्ष 1879 के बाद वर्ष 2023 में एशियाटिक शेरों में से एक वयस्क नर प्राकृतिक रूप से इस क्षेत्र में आकर स्थायी हुआ। तब से आज इस क्षेत्र में शेरों की आबादी 6 वयस्क तथा 11 शावक सहित कुल 18 दर्ज हुई है।

इस क्षेत्र में जंगल सफारी शुरू करने के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। मार्च 2025 तक 2271 पर्यटकों ने इस सुविधा का लाभ लिया है। राज्य सरकार द्वारा देवळिया तथा आंबरडी के अलावा बरडा क्षेत्र में कुल 248 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जहाँ लगभग 60 करोड़ की लागत से सफारी सुविधा स्थापित करने का आयोजन किया गया है। साथ ही, बरडा क्षेत्र में इको टूरिज्म के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मई 2025 के दौरान राज्य में हुई शेर गणना के अनुमान के अनुसार शेरों की कुल आबादी वर्ष 2020 की तुलना में 32 प्रतिशत बढ़ी है। यानी शेरों की संख्या 674 से बढ़कर 891 दर्ज हुई है। पर्यटन की दृष्टि से देखें, तो वर्ष 2007-08 से 2024-25 तक गीर अभयारण्य, देवळिया तथा आंबरडी आए 9.61 लाख से अधिक पर्यटकों

मूसलाधार बारिश ने रोकी दिल्ली की रफ्तार: 134 फ्लाइट्स लेट, ट्रैफिक से लोग परेशान, रेड अलर्ट जारी

(जीएनएस)।

दिल्ली और आसपास के इलाकों में रात से लगातार हो रही बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। कई इलाकों में पानी भर गया, सड़कें जाम हो गईं और आसमान से लेकर जमीनी सफर तक में देरी का सिलसिला जारी रहा। आईएमडी ने हालात को देखते हुए राजधानी के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। भारी बारिश के कारण 134 से ज्यादा फ्लाइट अपने निर्धारित समय से लेट हैं।

रात से रुक-रुककर हो रही बारिश ने राजधानी में यातायात और उड़ान संचालन को बाधित कर दिया। पंचकुइयां मार्ग, मथुरा रोड और कनॉट प्लेस सहित राजधानी के कई इलाकों में जलभराव की जानकारी मिली है।

दिल्ली हवाई अड्डे का अपडेट

दिल्ली हवाई अड्डे की ओर से जारी बयान में कहा गया कि, भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली

में खराब मौसम की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी उड़ान संचालन फिलहाल सामान्य हैं। हवाई अड्डे की ऑन-ग्राउंड टीमें सभी स्टेकहोल्डर के साथ मिलकर यात्रियों की यात्रा को परेशानी मुक्त बनाने के लिए काम कर रही हैं। ताजा फ्लाइट जानकारी के लिए यात्रियों को अपनी-अपनी एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

खराब मौसम के कारण 134 उड़ानें देरी से चलीं

दिल्ली एयरपोर्ट पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिसकी वजह से उड़ानों के संचालन पर असर पड़ा है। फ्लाइट इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम (FIDS) के अनुसार, करीब 134 उड़ानें- जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह की आने और जाने वाली फ्लाइटें शामिल हैं- जोकि देरी से चल रही हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस से उड़ान की ताजा स्थिति जरूर जांच लें, क्योंकि परिचालन प्रभावित है और आगे भी देरी की संभावना बनी हुई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में पवित्र रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया तथा महिला विधायकों सहित राज्य के कोने-कोने से आईं बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर उन्हें दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया

अहमदाबाद की साधना विनय मंदिर शाला के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की झाँकी कराने वाली 100 फीट लंबी राखी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की

गांधीनगर, 09 अगस्त : भाई-बहन के अपार स्नेह तथा अटूट प्रेम की भावना की अभिव्यक्ति के पवित्र उत्सव रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को समाज के विभिन्न वर्गों की बहनों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को रक्षासूत्र राखी प्रदान की।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया, महिला विधायकों तथा महिला पुलिस

कर्मचारियों सहित राज्य के कोने-कोने से आईं बहनों ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधकर उन्हें दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया तथा जनता के कल्याणकारी कार्यों के लिए सदैव कर्तव्यरत रहने की शुभकामनाएँ दीं।

इस रक्षाबंधन उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र की साधना विनय मंदिर शाला के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की झाँकी कराने के उद्देश्य से तैयार की गई 100 फीट लंबी राखी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की।

इस अवसर पर गांधीनगर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, गांधीनगर भाजपा महिला मोर्चे की टीम की सदस्यों, ब्रह्माकुमारी बहनों तथा अन्य संस्थाओं की बहनों, विभिन्न स्कूलों की छात्राओं, प्रज्ञाचक्षु बहनों, दिव्यांग बहनों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित बहनों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को रक्षासूत्र बांध कर यह पावन पर्व मनाया।

सम्पादकीय

नये वर्ल्ड आर्डर की तरफ विश्व

अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयात कर में बढ़ोत्तरी के बाद के परिणामों को लेकर हो रही प्रातिक्रिया दिन प्रातिदिन तीव्र होती जा रही है। एक तरफ अमेरिकी राजनेताओं ने जहां ट्रंप के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है कि भारत से बड़ी मुश्किल से संबंध पटरी पर आए थे किन्तु अब एकतरफा कार्रवाई के कारण नई दिल्ली को मजबूरी में अमेरिका से संबंधों पर पुनर्विचार करने पर विवश होना पड़ रहा है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति माइक पेंस ने तो कहा है कि भारत पर 50 प्रातिशत का आयात कर लगाकर ट्रंप ने अमेरिकी वंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को तबाह करने का आत्मघाती कदम उठा लिया। अमेरिका के पूर्व मंत्री और मौजूदा सांसद प्राधानमंत्री को सलाह दे रहे हैं कि उन्हें ट्रंप की इस हरकत से घबराकर कोई पैसला नहीं लेना चाहिए। यही नहीं मजे की बात तो यह है जिस अधिकार यानि आईईईपीए अर्थात इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रीय हितों की बलि चढ़ाकर अपने निजी हित और महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए मित्र राष्ट्रों के खिलाफ ही आयात कर बढ़ाते जा रहे हैं उसके दुरुपयोग को रोकने के लिए अमेरिकी अदालत में अपील कर दी गई है और पैसला इसी सप्ताह आने वाला है। अदालत के पैसले के संभावित प्रातिवूल होने की स्थिति पर बोलते हुए ट्रंप ने अपनी बौखलाहट में यहां तक कह दिया कि यदि उनके टैरिफ अधिकार आईईपीएम के खिलाफ पैसला आया तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक क्षति हो सकती है। किन्तु वास्तविकता यह है कि जो अमेरिकी राजनेता राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दे रहे हैं और भारत को ट्रंप के सामने न झुकने की सलाह दे रहे हैं, उनके लिए न भारत प्रिय हैं और न ही वे ट्रंप के दुश्मन हैं बल्कि उनकी चिन्ता मात्र यह है कि बड़ी मुश्किल से भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बनी थी किन्तु अपनी सनक के वशीभूत ट्रंप एक बार फिर भारत को अमेरिका से दूर धकेल रहे हैं। इन राजनेताओं को अपने अमेरिका की दूरगामी स्थायी हितों की चिन्ता सता रही है।

दरअसल भारत अब ब्रिक्स देशों से मिलकर अमेरिका के डालर में व्यापार का विकल्प तैयार करने वाला है। ब्राजील पर भी ट्रंप ने 50 प्रातिशत का ही टैरिफ लगाया है किन्तु सबसे ज्यादा तो अमेरिका को इस बात का भय है कि रिक यानि रूस, भारत और चीन मिलकर यदि अमेरिका को चुनौती देंगे तो स्थिति पूरी तरह पलट जाएगी। इन तीन देशों के मिलकर व्यापार करने से विश्व के 23 प्रातिशत व्यापार पर कब्जा कर लेंगे जबकि अमेरिका मात्र 9 प्रातिशत पर सिमट जाएगा। इन तीन देशों के पास 40 प्रातिशत विदेशी मुद्रा होगी जबकि अमेरिका के पास मात्र 12 प्रातिशत। जहां तक ब्रिक्स देशों के सामने अमेरिका की स्थिति का सवाल है तो 42 प्रातिशत के सामने अमेरिका मात्र 4 प्रातिशत है।

असल में ट्रंप को लगा कि वह जैसे ही भारत को 50 प्रातिशत टैरिफ की धौंस दिखाएंगे तो वह डरकर रूस से तेल लेना बंद कर देगा। भारत ने ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी। अब न तो रूस से व्यापार कम होगा और न ही अमेरिकी शर्तों पर अपने उन क्षेत्रों में प्रावेश पर अमेरिकी कंपनियों को घुसने देगा जिसे वह संरक्षित क्षेत्र मानता है।

अभी तक अमेरिकी भूराजनीतिक हित यही था कि वह भारत के माध्यम से चीन को नियंत्रित करेगा लेकिन अब जब भारत खुद ही अमेरिकी नीतियों से तंग आकर चीन के नजदीक आने को विवश हो गया तो इससे बड़ा अमेरिकी वूटनीति को और क्या झटका हो सकता है। अभी ब्रिक्स और रिक का इतना विस्तार होगा कि अमेरिका के लिए ही मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इसी संभावित स्थिति का आंकलन करके ही भारत स्थित चीन के राजदूत ने बड़ी दिलचस्प टिप्पणी की कि "बदमाश इंच भर बढ़ जाने के बाद मील भर बढ़ना चाहता है।" चीन की यह टिप्पणी तब आई है जब चीन ने एससीओ में प्राधानमंत्री मोदी के जाने का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि रिक अमेरिका को उसकी औकात दिखाने का सफल प्रायास करेगा।

प्रधानमंत्री जी की आयुष के प्रति प्रतिबद्धता

(जीएनएस)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

वर्ष 2019-20 की कोरोना आपदा ने जहां कई घरों में अंधेरा कर दिया वहीं मेरे जीवन में अंधेरा ला दिया,डायबिटीज के कारण मेरे पैर में गैंगरिन हो गया और साथ साथ मुझे दिल का दौरा पड़ गया, दिल्ली के मैक्स अस्पताल में पेस मेकर लगाकर हार्ट की बीमारी पर तो काबू पा लिया गया, पर गैंगरिन के लिए पैर के पंजे तक काटने की सलाह दी गई पर मेरे परिवार ने एक आयुव्रेदिक चिकित्सक से संपर्व किया और राजीव पुंडीर नामक इस चिकित्सक ने झूठा भरोसा दिला दिया कि यह ठीक कर दूंगा, उसने डेढ़ माह तक इलाज किया लाखों रुपए ले लिए और झूठे दिलासा देता रहा कि यह ठीक हो रहा है पर अंततोगत्वा मुझे घुटने से नीचे अपना पैर कटवाना पड़ा और वृत्रिम पैर लगवा कर अपनी नॉर्मल जीवनी जीने लगा।

पर डा पुंडीर की इस धोखाधड़ी से भारत की हजारों वर्ष पुरानी आयुव्रेदिक चिकित्सा पद्धति से विश्वास उठ गया।

इस बीच मुझे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय इंद्रेश वुमार जी के जन्म दिवस के अवसर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया और वहां पर मेरी मुलाकात अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान में कार्यरत प्रोपेसर डॉ संतोष भट्टेड से हुई और उनके विषय में श्री इंद्रेश वुमार जी से पता चला कि वे पंचकर्म विभाग में विशेषज्ञ हैं और जितने ही अच्छे चिकित्सक है उतने ही अच्छे इंसान हैं, इनसे बात कर के ही मरीज 25ट्ठ ठीक हो जाता है। यद्दापि मेरे पुराने अनुभव के कारण मेरा आयुव्रेदिक चिकित्सा से विश्वास उठ गया था पर डा भट्टेड के आमंत्रण को मना नहीं कर पाया। उनके यहां जाने पर उन्होंने मेरी पूरी कहानी सुनी और कहा कि अब जो होना था हो गया पर अपने इलाज से आपकी एलोपैथिक चिकित्सा पर निर्भरता कम हो जाएगी जो सत्य साबित हुआ। उसके बाद उन्होंने मुझे बताया कि इस संस्थान में कौन कौन से साध्य रोगों का आयुव्रेदिक पद्धति से उपचार हो रहा है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सौजन्य से चल रहे इस स्वायत्त संस्थान में प्रतिदिन हजारी मरीजों को परामर्श, परीक्षण, और निःशुल्क दवाइयां मिलते है। वहां हर रोज सुबह हजारों की संख्या में गरीब लाइन में लगकर रजिस्ट्रेशन कराते और योग्य से योग्य चिकित्सकों को दिखाते और निःशुल्क दवाइयां ले जाते हैं। जहां एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में बवासीर, फिशर, गैंगरिन आदि का एक ही विकल्प ऑपरेशन होता है वहीं इन रोगों से जूझ रहे कई रोगियों के मेरे द्वारा डॉ संतोष भट्टेड को रेफर किया गए लोगो को सिर्प आयुव्रेदिक चिकित्सा से थिक होते देखा है। वहां के पंचकर्म विभाग में डा संतोष भट्टड़ कि देख रेख में एक 85 वषाय रोगी जो वृद्धावस्था संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे और चलने की स्थिति में नहीं थे उन्हें वुछ सप्ताह के ईलाज से स्वास्थ होकर अपने पैरों पर अपने घर जाती देखा।

वर्ष 2016 में स्थापित अखिलेश भारतीय आयुव्रेद संस्थान पूरी तरह से आयुव्रेद के क्षेत्र में इलाज और अनुसंधान के प्रयोजनार्थ सर्मपित है। अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान को आयुव्रेदिक तृतीयक स्वास्थ्य देख

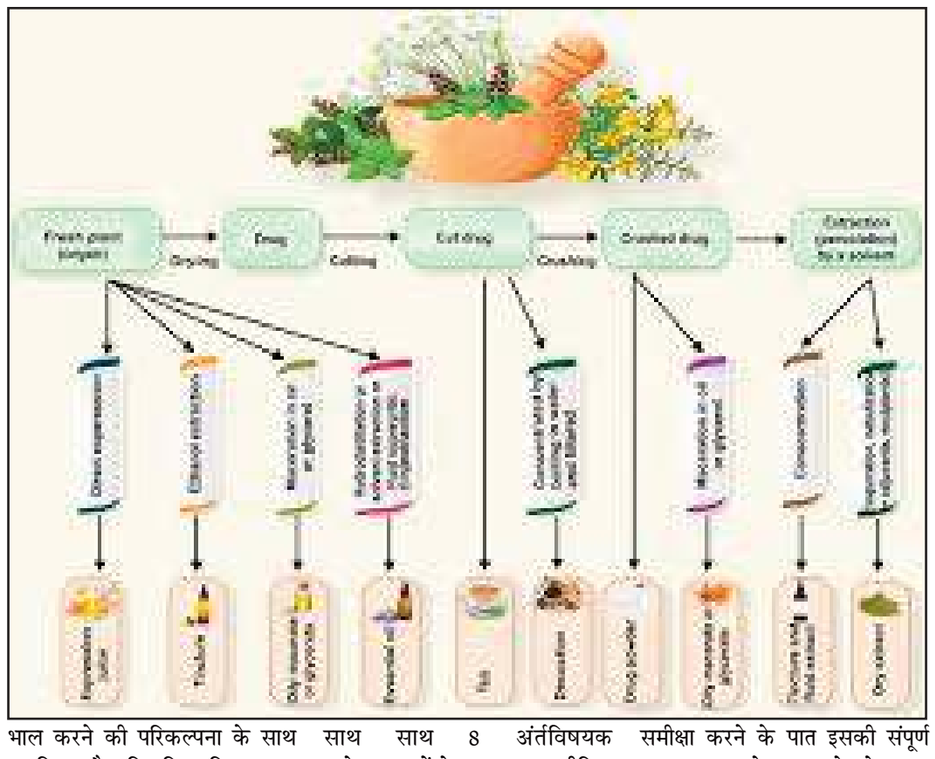

भाल करने की परिकल्पना के साथ स्थापित और विकसित किया गया था। आयुव्रेद उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता के विषय में वैज्ञानिक सूचना की कामी को दूर करने के उद्देश्य से गुणवत्ता अनुसंधान को सुगम बनाने के लिए अन्य चिकित्सा पद्धति से प्रतिस्पधा बनाएं रखने के लिए बेंच मार्व स्थापित करना के लिए अखिलेश भारतीय आयुव्रेद संस्थान पूरी तरह से कार्यरत है। इसके स्थापित करती समय यह योजना बनाई गई समकालिक विज्ञान और संसाधनों के साथ पारस्परिक सूझ बूझ के समायोजन से यहां पर नवोचित सुविधाये होनी चाहिए।

वर्तमान समय में यहां पर 200 बेड वाला एक रेफरल अस्पताल है। संस्थान में पंचकर्म की सुविधाओं के साथ साथ 8 अंर्तविषयक प्रयोगशालाओं के साथ 127 क्लीनिक काम कर रहे हैं, वर्ष 2016 में शुरू इस संस्थान में रोज रोज ओ पी डी मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही हैं। वर्तमान में औसतन आधार पर प्रतिदिन 1500 रोगियो के नाम रजिस्ट्रेशन में दर्ज किए जाते हैं। आयुव्रेद औषधि के गुणवत्ता मानक की प्रोन्नति और उपचार के प्रति झुकाव के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी है।

वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय के निर्माण के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय चिकित्सा पढ़ती की व्यापक क्षमताओं को स्वीकार करते हुए इसके विकाश के लिए एक व्यापक रूप रेखा की परिकल्पना की। इस क्षेत्र की प्रगति की व्यापक समीक्षा करने के पात इसकी संपूर्ण क्षमता का दोहन करने हेतु रण नीतिक उपायों की आवश्यकताओं पर जोर दिया।

उन्होंने इस पद्धति के विभिन्न पहलों को व्यवस्थित करके संसाधनों का अनुवूलन करके और आयुष की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने हेतु एक दूर दशा मार्ग पर ध्यान वेंद्रित करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री जी ने नीतिगत समर्थन, अनुसंधान एवं नवाचार के मध्यम से आयुष क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि आयुष क्षेत्र तेज़ी से भारत की स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक प्रेरक शक्ति के रूप में उभरा है।

उसने शिक्षा अनुसंधान, सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग व्यापार और वैश्वीकरण प्रसार के मामले में महत्वपूर्ण सफलताएं अंजित की है। आयुष क्षेत्र ने आर्थिक विकास में बड़ी तेजी से प्रगति की है। इसमें मैन्यूपेक्चरिंग बाजार का आकार वर्ष 2014 में 2.85 बिलियन डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत में साक्ष्य आधारित पारम्परिक चिकित्सा में खुद को वैश्विक स्तर पर अग्रिम देश के रूप में स्थापित किया है और आयुष अनुसंधान पोर्टल अब 43000से अधिक अध्ययन को होस्ट कर रहा है। आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से महत्वपूर्ण सफलताएं अंजित की हैं। जहां पूरे विश्व में आधुनिक चिकित्सा के नाम पर लूट मची हुई है, अच्छे एलोपैथिक डॉक्टरों की फीस दो से तीन हजार रु हो गई है जो आम आदमी के लिए संभव नहीं है।

वहीं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुव्रेद संस्थान प्रतिदिन हजार से अधिक असाध्य रोगियों का निशुल्क इलाज करता है। यह भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की भारत की प्राचीन संस्वृति और भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास व संवर्धन के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम है। (जीएनएस)। (लेखक भारत सरकार के पूर्व उप सचिव हैं।)

प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक यूपी ने लगाई लंबी छलांग, केजीएमयू को मिली बड़ी उपलब्धि

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा, मेडिकल और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक राज्य सरकार ने योजनाबद्ध सुधार, तकनीकी नवाचार और सरकारी-निजी साझेदारी के माध्यम से शिक्षा ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार जैसी पहलों ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया, जबकि उच्च शिक्षा में नए प्रयासों के साथ-साथ पुराने संस्थानों को भी बेहतर बनाया जा रहा है। केजीएमयू को ठअअउ अ++ मिलना इसी का उदाहरण है जिसने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। यही नहीं, उत्तर प्रदेश में मेडिकल, नॉलेज सिटी और हाइटेक एजुकेशन के विस्तार से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण तक किए जा रहे प्रयासों का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारोन्मुख कौशल और वैश्विक मानकों के अनुरूप अवसर प्राप्त कर सके।

हायर एजुकेशन में निजी शिक्षण संस्थानों के साथ पुराने संस्थानों को प्रोत्साहन

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने ठअअउ के नवीनतम मूल्यांकन में अ++ ग्रेड प्राप्त कर लिया है, जिसमें उच्चठअ 3.67 अंक प्राप्त हुआ है। ठअअउ की टीम ने 31 जुलाई से 2 अगस्त तक केजीएमयू का निरीक्षण किया और विभिन्न क्राइटेरिया में उच्च स्कोर दिए। प्रदेश सरकार के प्रयासों से मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए गए, जिसका सीधा असर केजीएमयू जैसे संस्थानों के प्रदर्शन पर पड़ा है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य ह कि 2025-26 तक राज्य के 25% कॉलेजों का ठअअउ मूल्यांकन हो जाए। इसमें लगभग 1,000 कॉलेज पहले ही शॉर्टलिस्ट हुए हैं। इसके अतिरिक्त, निजी क्षेत्र को

शामिल करने की छूट के तहत कई विश्वविद्यालयों को प्रदेश में प्रवेश की मान्यता मिली है। इसी कड़ी में उन्नाव में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के रूप में पहली एआई आगुमेंटेड यूनिवर्सिटी का शुभारंभ किया गया है। इन प्रयासों से उच्च शिक्षा में निजी भागीदारी को बल मिला है। हाल ही में, मुख्यमंत्री की अगुवाई में योगी कैबिनेट ने"भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना" को मंजूरी दी है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

मेडिकल और हाईटेक शिक्षा में विस्तार

उत्तर प्रदेश ने पिछले आठ वर्षों में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तन लाया है। अब तक 80 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही गोरखपुर में नए आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना भी हुई। दूसरी तरफ, हाईटेक शिक्षा को लेकर भी अनूठे प्रयास किए गए हैं, जिसके तहत कानपुर, गोरखपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में नॉलेज सिटी के विकास की योजना है। इनका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना और उच्च शिक्षा व शोध में वैश्विक मानक स्थापित करना है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कारगर साबित हो रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में हरसंभव सहयोग देने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना लगातार साकार कर रही है। प्रदेश के हजारों युवा इस योजना के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। ग्रामीण और गरीब तबकों के प्रतिभावान युवाओं के लिए यह योजना उम्मीद की एक नई किरण बनकर उभरी है। योगी सरकार द्वारा इस योजना के माध्यम से छात्रों को निःशुल्क कोचिंग, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे वे यूपीएससी, पीसीएस, जेईई, नीट जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। योगी सरकार ने इस योजना को राज्य के 75 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित कर रही है, जहां करीब 166 केंद्र संचालित हो रहे हैं।

व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष जोर

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है। प्रदेश सरकार 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करवा रही है, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा, टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा गया है, ताकि उद्योगों और बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। प्रदेश में 400 के करीब राजकीय और 3000 निजी आईटीआई संचालित हैं, जहां न्यूनतम शुल्क पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सरकार निजी आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को स्कॉलरशिप और अन्य प्रोत्साहन भी दे रही है। इसके अलावा अब प्रदेश की 120 से ज्यादा पॉलीटेक्निक को भी टाटा टेक्नोलॉजी की मदद से अपग्रेड किए जाने की योजना है।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में हुआ बड़ा सुधार

ऑपरेशन कायाकल्प ने 2017 से अब तक सरकार स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया है. स्कूलों में मूल सुविधाएं 36% से बढ़कर 96% हो चुकी हैं, 1.32 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी बनी है, और 15.37 करोड़ मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित की गई हैं। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत, 2,441 माध्यमिक सरकारी स्कूलों को 35 इंफ्रास्ट्रक्चर मानकों पर अपग्रेड किया गया, जिसमें स्मार्ट क्लास, लैब, पुस्तकालय, कामकाजी वातावरण शामिल है। इससे सरकारी सेकेंडरी स्कूलों में नामांकन में 23% की वृद्धि हुई और प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे छात्रों को स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, खेलकूद और अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं, जबकि बेटियों के लिए भी आवासीय शिक्षा के लिए कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के गरीब और वंचित तबके के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनके सवार्गीण विकास के लिए प्रदेश सरकार ने प्रदेश के चिन्हित माध्यमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की गई है। कई सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी आधारित सिलेबस अपनाया गया है, ताकि छात्रों को एकरूप और उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिले।

बारिश के मौसम में खान-पान और जीवनशैली का रखें ध्यान!

हमारे देश में जून से सितंबर भारी बारिश होती है। हाल फिलहाल अगस्त का महीना चल रहा है और देश में खूब बारिश हो रही है। बारिश में हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्यों कि बारिश के मौसम में कई तरह की बीमारियां जैसे कि डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, पीलिया, चिकनगुनिया, वायरल बुखार, दस्त, और त्वचा सांमण पैलने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के मौसम में वातावरण में नमी हमारे शरीर को कई सांमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। कहना गलत नहीं होगा कि बारिश का मौसम अपने साथ सुवून, हरियाली और ताजगी तो लाता है, लेकिन साथ ही शरीर के लिए वुछ चुनौतियां भी खड़ी करता है।

वातावरण में नमी, तापमान में गिरावट और भोजन के पचने की क्षमता में कमी - ये सभी बदलाव हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बहुत प्रभावित करते हैं।

नमी, गंदगी और बदलता तापमान शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर देता है, जिससे सदा-जुकाम, वायरल फीवर, स्टमक (पेट) इंपेक्शन, पूड पॉइजनिग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मौसम के अनुसार खानपान का ध्यान रखना

बहुत ही आवश्यक है। दूसरे शब्दों में कहें तो बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए सावधानी बरतना बहुत ज़रूरी है।

मसलन, हमें यह चाहिए कि इस मौसम में हम स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

हमें यह चाहिए कि हम बारिश के मौसम में अपने हाथों को बार-बार धोएं, खासकर खाना खाने से पहले और बाद में। बारिश में पानी को हमेशा उबालकर पीना चाहिए, ताकि हम टाइफाइड, पीलिया, डायरिया जैसे रोगों से स्वयं व अपने परिवार का बचाव कर सवें। इस मौसम में हमें अपने घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए तथा पुल स्लीव्स के कपड़े पहनने चाहिए, और मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। बारिश के मौसम में कीट-पतंगों, सांप, मच्छरों और अन्य जीव जंतुओं से बचाव भी बहुत ही जरूरी है। त्वचा की देखभाल भी इस मौसम में विशेष जरूरी है, इसके लिए हम अपनी त्वचा को सूखा और साफ रखें, और पंगल सांमण से बचने के लिए एंटीपंगल पाउडर का उपयोग कर सकते हैं। आज हमारी जीवनशैली बहुत बदल चुकी है।

पाठकों को बताता चलूं कि सावन और भाद्रपद(बारिश के महीनों में) के महीनों में, प्राचीन काल से ही खान-पान में वुछ विशेष परहेज बरते जाते रहे हैं। इन महीनों में, विशेष रूप से बारिश के मौसम में, पाचन ग्रिया बहुत धीमी हो जाती है, और जैसा कि ऊपर भी जानकारी दे चुका हूं कि वातावरण में भी कीटाणुओं का प्रकोप भी बढ़ जाता है। इसलिए, इन महीनों में वुछ विशेष चीजों से जैसे कि मांस, मछली, और अंडा(मांसाहारी भोजन), प्याज, लहसुन, शहद, हरी पत्तेदार सब्जियां , बैंगन, मूली तथा दही आदि से परहेज करना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य ठीक रहे और सांमण से बचा जा सके। सावन और भाद्रपद के महीनों में हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे कि मूंग, मसूर, और अन्य दालें, चपाती आदि लेना चाहिए। पुराने चावल भी खाये जा सकते हैं।

जलती चिता के सामने ही साड़ी में नाचते हुए वीडियो बनाने लगी, सोशल मीडिया यूजर्स ने लगा दी क्लास

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर कभी-कभी कुछ ऐसी चीजें वायरल हो जाती हैं जो वाकई में अजीब होती है। अब एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ है जिसकी काफी आलोचना हो रही है। दरअसल एक कंटेंट क्रिएटर ने अपना वीडियो शेयर किया है जिसमें वह साड़ी पहनकर एक जलती हुई चिता के सामने वीडियो बना रही है। इस पर यूजर्स ने काफी कमेंट किए हैं। कुछ लोगों ने कहा कि लोग वायरल होने के लिए आज किसी भी हद से गुजर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि यह किसी की मौत का मजाक उड़ाना है।

दरअसल वीडियो में दिख रहा है कि लड़की ने जहां वीडियो बनाया है उसके ठीक पीछे एक चिता जल रही है। इससे ऐसा लग रहा है कि यह शायद किसी शहर का स्थानीय श्मशान घाट है। ऐसी जगह पर वीडियो बनाने के लिए कुछ लोग काफी आलोचना कर रहे हैं।

वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है कि महिला कोई कंटेंट क्रिएटर है और सोशल मीडिया के लिए रील्स बना रही है। इसी दौरान वह चिता के सामने ही साड़ी में झूमती-नाचती दिख रही है। वह लगातार कैमरे के सामने पोज देती हुई और ठुमके लगाती दिख रही है। ऐसा लग रहा है कि इसे रील बनाने के लिए ही श्मशान घाट से शूट किया गया है।

वीडियो की आलोचना करते हुए एक यूजर ने लिखा कि रील बनाने की लोगों को ऐसी सनक सवार हो गई है कि न जगह देख रहे हैं और न ही मौका। एक यूजर ने लिखा कि यह बहुत असंवेदनशील व्यवहार है। कम से कम जगह और माहौल का तो ख्याल रखना चाहिए। एक यूजर ने लिखा कि कलियुग में लगाता है कि 2 पैरों वाले जानवरों को काफी देखने को मिलेगा।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

ऐतिहासिक उपलब्धि: कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का सूचक

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 2025

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

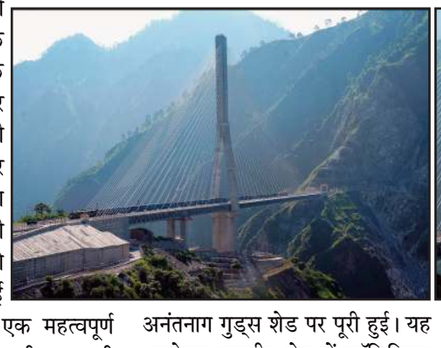

उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दर्शाता है।

इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (GACL) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक WAG-9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, TKD, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दर्शाता है।

इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

मुंबई लोकल में बिना टिकट यात्रियों की अब खैर नहीं, रेलवे करने जा रहा ये उपाय

इ८ इँ५ल्लं ढल्लीिं८

ळी वस्रीिशि: र४ल्लटि, अ४ॅ४२३ 10, 2025, 6:23 [करळ]

ऋक्ष्ङ्म्'ी डल्लीिल्र्ल ठी६२

ट्ठें 'ङ्क्ष' ३१ल्ल: मुंबई रेलवे ने टिकटों की खरीद में धांधली रोकने के लिए अब स्टेशनों पर डायनामिक क्यूआर कोड लागू करेगा। ताकि यात्री अब डाउनलोड किए गए कोड का इस्तेमाल करके टिकटिंग से बच न सकें। मुंबई रेलवे का यह नया कदम टिकट प्रणाली में बढ़ते दुरुपयोग को रोकना है, जहां यात्री पहले से डाउनलोड किए गए क्यूआर कोड के माध्यम से टिकट खरीदने से बचते थे।

वर्तमान में, स्टेशनों पर चिपकाए गए स्थायी क्यूआर कोड का दुरुपयोग किया जा रहा है। यात्री इन कोडों को अपनी फोन गैलरी में सहेज लेते हैं और टीसी को देखते ही टिकट खरीदने के लिए उनका इस्तेमाल करते हैं। एक रेलवे अधिकारी ने बताया, "क्यूआर कोड और यूपीआई के माध्यम से कैशलेस लेनदेन यात्रियों के लिए सेवाओं को सुचारू और अधिक कुशल बनाने के लिए शुरू किए गए थे। इनका उद्देश्य लेनदेन को तेज करना, प्रतीक्षा समय को कम करना और ग्राहक संतुष्टि में सुधार करना है।"

ट्ठें 'ङ्क्ष' ३१ल्ल

अधिकारी ने बताया, "ये क्यूआर कोड डिवाइस मुंबई सेंट्रल डिवीजन के सभी यूटीएस काउंटरों पर पहले से ही उपयोग में हैं, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों खंड शामिल हैं।" भारतीय रेलवे के यूटीएस (अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम) ऐप में एक जियोफेंसिंग प्रतिबंध है, जिसका अर्थ है कि यात्री सीधे प्लेटफॉर्म या पटरियों के पास टिकट बुक नहीं कर सकते। ऐप का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को स्टेशन या पटरियों से कम से कम 20-25 मीटर दूर होना चाहिए,

पश्चिम रेलवे द्वारा वलसाड एवं अजमेर के बीच चलाई जाएगी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन रक्षाबंधन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वलसाड एवं अजमेर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09612/09611 वलसाड - अजमेर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09612 वलसाड - अजमेर स्पेशल मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 को वलसाड से 13:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:55 बजे अजमेर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09611 अजमेर - वलसाड स्पेशल सोमवार, 11 अगस्त, 2025 को 13:00 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:30 बजे वलसाड पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, दुगार्पुरा, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09612 की बुकिंग 10 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन मिली थी आईसीसी से चेतावनी, गौतम गंभीर ने निकाली तरकीब, टीम इंडिया बचकर निकल गई

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने पांचवें दिन के पहले घंटे में जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचने का काम किया था। भारतीय टीम ने अंतिम 4 विकेटों को 35 रनों के अंदर समेटकर इंग्लैंड का धुआं निकालने का काम किया था लेकिन उस समय सामने दूसरी समस्या भी थी।

भारतीय टीम के ऊपर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में पॉइंट्स की पेनल्टी लगने वाली थी। आईसीसी के मैच रेफरी ने पहले ही यह बता दिया था। मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के सामने यह चुनौती थी कि इंग्लैंड को आउट किया जाए, या पेनल्टी लगने वाले रनों को बचाया जाए।

ओवल टेस्ट के पांचवें दिन जब टीम इंडिया मैदान पर उतरी, तब टीम पर कळउ मैच रेफरी जेफ क्रो की सख्त चेतावनी का दबाव था। दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट में भारतीय टीम के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि क्रो ने ओवर रेट में छह ओवर की कमी के कारण चार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) पॉइंट्स काटने की चेतावनी दी थी।

हालात साफ थे, या तो भारत जल्दी इंग्लैंड को ऑलआउट करे या ओवर रेट में सुधार लाए, वरना कीमती अंक गंवाने पड़ सकते थे। हळउ की रेस में हर पॉइंट बेहद अहम होता है। अब टीम हडल में सुझाव आया कि दोनों छोर से स्पिनरों को लाकर इस मामले को निपटाया जा सकता है।

इस दौरान कोच गौतम गंभीर ने अहम प्रतिक्रिया दी। गौतम गंभीर का मानना था कि टीम को ओवर रेट की बजाय जीत पर फोकस करना चाहिए। टेस्ट के आखिरी दिन सिर्फ तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की, और उन्होंने एक घंटे से भी कम वक्त में इंग्लैंड के बाकी चार विकेट गिरा दिए। इस तरह टीम इंडिया ने गौतम गंभीर के सुझाव के बाद अपना काम किया और मैच जीतने के साथ ही पेनल्टी भी नहीं लगने दी। अगर मैच हार जाते, तो पेनल्टी लग जाती। भारत ने वहां तक मामला आने नहीं दिया।

एक घंटे तेज गेंदबाज लगे रहे

सिराज ने 5 विकेट झटकते हुए तहलका मचा दिया और इंग्लैंड को 6 रनों से हार मिली। उस एक घंटे में सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने ही गेंदबाजी की। कोई भी स्पिनर नहीं लाया गया था और यह रणनीति परफेक्ट तरीके से काम कर गई।

10 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में शहरवासियों को करना पड़ेगा पावर कट का सामना, कहां-कहां रहेगा असर?

(जीएनएस)।

दिल्ली और एनसीआर के लोगों के लिए बड़ी खबर है। 10 अगस्त 2025 को बिजली विभाग द्वारा आवश्यक मेंटेनेंस और रिपेयरिंग कार्यों के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान, निर्धारित समय के लिए घरों, ऑफिसों, दुकानों, स्कूलों और अस्पतालों में बिजली गुल रहेगी।

यह शेड्यूल्ड पावर कट बिजली सप्लाई सिस्टम को और बेहतर व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। टाटा पावर-DDL और अन्य बिजली वितरण कंपनियां इन दो दिनों में ट्रांसफॉर्मर, बिजली लाइनों और अन्य आवश्यक उपकरणों की जांच और मरम्मत करेंगी, ताकि भविष्य में बिजली से जुड़ी समस्याओं को कम किया जा सके।

हालांकि यह कटौती अस्थायी होगी, लेकिन इससे आम लोगों के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय से पहले अपने जरूरी कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें।.

दिल्ली-एनसीआर में 10 अगस्त 2025 को मेंटेनेंस कार्य के चलते कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, हैबतपुर के लगभग 6% इलाके में दो अलग-अलग समय स्लॉट में पावर कट किया जाएगा।

कहां-कहां और कब रहेगी बिजली कटौती:

स्पोर्ट्स सिटी एरिया और टेकजोन-04: सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक

हैबतपुर (6% क्षेत्र): दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक

लुक्सर (6% आबादी क्षेत्र): दोपहर 12:00 बजे से 12:45 बजे तक

बिजली विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस निर्धारित कटौती के दौरान आवश्यक तैयारियां पहले से कर लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। इस दौरान क्षेत्रीय पंपिंग स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी असर पड़ सकता है। पॉवर कट होने पर जनता क्या करें?

दिल्ली में निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के चलते कई इलाकों में तय समय पर बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे पॉवर कट से पहले अपने आवश्यक कार्य पूरे कर लें और बैकअप बिजली व्यवस्था का इंतजाम कर लें। विशेष रूप से स्कूल, ऑफिस और अस्पताल प्रबंधन को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, ताकि बिजली कटौती के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

विभाग ने भरोसा दिलाया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने की पूरी कोशिश की जाएगी। दिल्ली पावर कट से जुड़ी अधिक जानकारी और अपने क्षेत्र में बिजली समस्या की शिकायत दर्ज कराने के लिए उपभोक्ता विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव : कौन सी हैं वो 5 पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन? क्या होगा असर

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में अब चंद महीने ही बाकी रह गए हैं। चुनावी सरगर्मियों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व बिहार मंत्री तेज प्रताप यादव लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। तेज प्रताप ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पांच पार्टियों के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

ध्यान रहे कि हसनपुर विधानसभा सीट से विधायक तेज प्रताप यादव को आरजेडी मुखिया लालू यादवर परिवार ने "नकार" दिया है, और उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया है। जिसके बाद उन्होंने खुद को बिहार में इस नए मोर्चे के नेता के रूप में स्थापित किया है। उनके छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं और राजद के आगामी चुनावों में प्रमुख चेहरा हैं।

इं१ अर२ुि'८ ए'ाूइ३ल्लर 2025

तेज प्रताप यादव ने बिहार के पांच छोटे दलों से गठबंधन करने के बाद दावा किया है कि यह गठबंधन "सामाजिक न्याय, सामाजिक अधिकारों और व्यापक बदलाव" लाकर "बिहार की स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को चुनौती" दे सकता है।

तेज प्रताप ने महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ेंगे चुनाव

तेज प्रताप की अपील मुख्य रूप से यादव वोटरों के एक वर्ग और मुख्यधारा की राजनीति से "भ्रमित" लोगों के बीच है। उनकी धार्मिक पहचान, मंदिर यात्राएं और खुद को "आध्यात्मिक नेता" बताने का दावा भी वोटरों के बीच गूंज पैदा करता है। आरजेडी से बाहर निकाले जाने के बाद, तेज प्रताप की लोकप्रियता अब महुआ निर्वाचन क्षेत्र में अग्निपरीक्षा से गुजरेगी, जहां से वे विधानसभा चुनावों में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

तेज प्रताप का गठबंधन कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है जहां इन पांच पार्टियों का मुख्य समर्थन आधार है। इससे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विपक्षी वोटों में सेंध लग सकती है और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों में मदद मिल सकती है। हालांकि, इन पांच पार्टियों में से किसी के पास भी मजबूत जमीनी नेटवर्क, स्थापित बूथ-स्तरीय उपस्थिति या पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं हैं, और उन्हें ज्यादातर तेज प्रताप के नेतृत्व पर निर्भर रहना होगा।

कौन सी हैं वो पार्टियां जिनके साथ तेजप्रताप यादव ने किया है गठबंधन?

विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी)

तेज प्रताप के नए सहयोगियों में सबसे प्रमुख प्रदीप निषाद हैं, जो नवगठित वीवीआईपी के प्रमुख हैं। "हेलीकॉप्टर बाबा" के नाम से भी जाने जाने वाले निषाद, एक समय विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के करीबी सहयोगी थे। कथित तौर पर "पार्टी में उचित सम्मान न मिलने" के मतभेदों के कारण, उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर के मूल निवासी निषाद ने 2021 के आसपास वीआईपी छोड़ दी थी। उन्होंने इस साल वीवीआईपी का गठन किया है।

28 जून को लॉन्च हुई और बाद में "जहाज" को चुनाव चिन्ह के रूप में आवंटित किया गया, वीवीआईपी का लक्ष्य निषाद-मल्लाह समुदाय का प्रतिनिधित्व करना है, जो पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने और नदी-आधारित व्यवसायों से जुड़े हैं।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

(जीएनएस)।

बहार की राजनीति में हलचल हो या गवर्नमेंट का कोई बड़ा फैसला। विकास कार्यों की बात हो या जनता से जुड़े अहम कार्यक्रम- बिहार टुडे में आपको सबसे पहले मिलेगा राज्य से जुड़ा हर बड़ा अपडेट। आइए जानते हैं आज दस अगस्त को क्या-क्या होने वाला है।

महिलाओं को आज भी बस में नहीं देना होगा किराया

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने रक्षाबंधन पर पटना और मुजफ्फरपुर के सभी रूटों पर 9 अगस्त को महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा का ऐलान किया है। साथ ही, पटना में चलने वाली पिंक बसों में भी महिलाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। महिलाएं 10 अगस्त तक निगम की बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगी। इस निःशुल्क सेवा का लाभ सभी आयुवर्ग की महिलाएं ले सकेंगी।

नीतीश सरकार आज ट्रांसफर करेगी बढ़ी हुई पेंशन की दूसरी किस्त

बिहार में आज नीतीश सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि ऊइळ के जरिए ट्रांसफर करेगी। 1 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों के अकाउंट में 10 अगस्त को 1100-1100 रुपये आएंगे। पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह किए जाने के बाद लाभार्थियों को मिलने वाली यह दूसरी किस्त होगी।

इस बार लगभग 1,12,18,845 लाभुकों के खाते में कुल मिलाकर करीब 1247.34 करोड़ रुपये जमा किए जाएंगे। ये पेंशन राशि विधवा महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को दी जा रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर पटना में महत्वपूर्ण बैठक

नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम, बिहार के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन को मजबूती देने के लिए 10 अगस्त को पटना में एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में प्रांतीय कमेटी, जिला कमेटी और सभी संबद्ध संघों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी रैली की रणनीति तय करना, संगठन को मजबूत बनाना और जनजागरण अभियान को तेज करना है।

राजगीर में पहली बार एशिया रग्बी अंडर-20 चैंपियनशिप

बिहार में पहली बार 9 और 10 अगस्त, 2025 को 'एशिया रग्बी (अंडर-20) चैंपियनशिप-2025' का आयोजन हो रहा है। यह भव्य प्रतियोगिता राज्य खेल अकादमी-सह-बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के परिसर में आयोजित किया जा रहा है। इसमें 9 देशों की 16 टीमें भाग ले रही है। भारत के अलावा चीन, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल की टीमें भी इस टूनामेंट में मैदान में हैं।

बिहार में आज कैसा रहेगा मौसम का हाल

बिहार में 10 अगस्त 2025 को मौसम में क्षेत्रीय विविधता देखने को मिलेगी। क्टऊ के अनुसार, राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रमुख शहरों जैसे पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मुंगेर, पूर्णिया और जमुई में तापमान में थोड़ी गिरावट के साथ बारिश होने की संभावना है

मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया धमाकेदार गाना 'पगली जान दे दी का' हुआ रिलीज, रक्षा गुप्ता के साथ किया ऐसा रोमांस

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर और एक्टर अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना एक बार फिर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। उनके गानों और फिल्मों को भोजपुरिया दर्शक हमेशा खुले दिल से अपनाते हैं।

अरविंद अकेला कल्लू का नया गाना

यूट्यूब पर अरविंद अकेला कल्लू के कई सुपरहिट सॉन्ग्स 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज बटोर चुके हैं। अब उनका लेटेस्ट ट्रैक 'पगली जान दे दी का' हाल ही में रिलीज हुआ है और फैंस इस पर अपना खूब सारा प्यार लुटा रहे हैं।

महादेव पर गाए थे कई गाने

सावन के पवित्र महीने में अरविंद अकेला ने महादेव पर आधारित कई भक्ति गीत गाए, जिन्हें शिवभक्तों ने बेहद पसंद किया। अपने करियर में उन्होंने रोमांटिक से लेकर देसी तड़के वाले गानों तक, हर अंदाज में धमाल मचाया है। इस बार उनका नया गाना 'पगली जान दे दी का' भी फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

नए गाने से जुड़े कलाकार और टीम

-इस गाने का टीजर प्रोड्यूसर प्रशांत निशांत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। टीजर को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था- आ गया सुपरस्टार अरविंद अकेला कल्लू और भोजपुरिया सनसनी रक्षा गुप्ता का शानदार गाना। आरवीएफ के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर।

-'पगली जान दे दी का' गाने को अरविंद अकेला कल्लू के साथ काजल राज ने अपनी आवाज दी है। वीडियो में अरविंद के साथ एक्ट्रेस रक्षा गुप्ता नजर आ रही हैं। गाने के बोल दुर्गेश भट्ट ने लिखे हैं और म्यूजिक साजन मिश्रा ने कंपोज किया है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन प्रवीन एस ने किया है जबकि सिद्धार्थ मिश्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है।

अरविंद अकेला कल्लू की बढ़ी फैन फॉलोइंग

-अरविंद अकेला कल्लू का पिछला रिलीज ट्रैक 'तोहार कातिल बा फिगर' भी धमाल मचा चुका है। सारेगामा हमार भोजपुरी यूट्यूब चैनल पर अपलोड हुए इस गाने ने रिलीज के कुछ ही दिनों में 10 मिलियन से ज्यादा

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

निविदा संख्या: EL-TRD-Tender-25-26/10
मौजूदा ओएचई में परिवर्धन एवं परिवर्तन
निविदा संख्या: EL-TRD-Tender-25-26-10

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत प्रशिक्षण विभाग), पश्चिम रेलवे, प्रताप नगर, वडोदरा 390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम: चंपानेर रोड स्टेशन: माल शेड के विकास के संबंध में मौजूदा ओएचई में परिवर्धन एवं परिवर्तन।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,64,78,023.90/-

बोली सुरक्षा (रुपये में): 2,32,400/-

निविदा दस्तावेजों की लागत और समापन अवधि: समापन अवधि 12 महीने

निविदा निर्धारित तिथि: निविदा समापन तिथि 09/09/2025 और समापन समय उसी तिथि को 15:00 बजे

वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विचरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिये: मंडल रेल प्रबंधक ((कर्षण वितरण)) पश्चिम रेलवे, प्रताप नगर, वडोदरा - 390004 वेबसाइट @ **WWW.IREPS.GOV.IN** BRC137

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

अकाउंट में हर समय रखना होगा 50 हजार रुपए, नहीं तो देना होगा जुमार्ना, बैंक के नए नियम से हड़कंप

(जीएनएस)।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहकों की जरूरतों और बैंकिंग नियमों में लगातार बदलाव होते रहते हैं ताकि वित्तीय सेवाएं अधिक प्रभावी और सुरक्षित बन सकें। इसी कड़ी में भारत के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने मंथली एवरेज बैलेंस और नकद लेनदेन से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

ये नए नियम 1 अगस्त 2025 से लागू होंगे और खासतौर पर नए ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की सीमा बढ़ा दी गई है, जिससे बैंकिंग व्यवहार में एक नई चुनौती सामने आ सकती है। इसके साथ ही नकद जमा-निकासी की सीमाएं भी कड़ी की गई हैं, जो ग्राहकों की वित्तीय योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं।

जानिए क्या-क्या बदला?

आईसीआईसीआई बैंक ने अपने मंथली एवरेज बैलेंस (टअइ) और नकद लेनदेन से जुड़े नियमों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं

मंथली एवरेज बैलेंस बढ़ी

1 अगस्त 2025 से नए ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस सीमा बढ़ाई गई है।

मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में ₹50,000, अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ₹25,000 और ग्रामीण क्षेत्रों में ₹10,000 रखना होगा।

पुराने ग्राहकों के लिए यह सीमा मेट्रो/शहरी में ₹10,000 और अर्ध-शहरी/ग्रामीण में ₹5,000 ही बनी रहेगी।

मिनिमम बैलेंस न रखने पर जुमार्ना

यदि ग्राहक मिनिमम बैलेंस नहीं रखते हैं तो 6% तक का जुमार्ना या ₹500 (जो भी कम हो) लगाया जाएगा।

नकद जमा और निकासी पर नियम

हर महीने केवल तीन मुफ्त नकद जमा की सुविधा रहेगी, उसके बाद ₹150 प्रति लेनदेन शुल्क लगेगा।

नकद जमा की अधिकतम सीमा ₹1 लाख प्रति महीने तय की गई है।

नकद निकासी भी महीने में तीन बार मुफ्त रहेगी।

थर्ड-पार्टी द्वारा नकद जमा की सीमा ₹25,000 प्रति लेनदेन रखी गई है।

बचत खाते पर ब्याज दर में कटौती

ट्रंप की 'टैरिफ हमले' के बीच पीएम मोदी और पुतिन की फोन पर क्या बातचीत हुई?

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने और रूस से तेल खरीद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत की। इस वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

मोदी और पुतिन ने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस के विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन से जुड़े ताजा हालात की जानकारी दी, जिसके बाद पीएम मोदी ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की स्थायी नीति को दोहराया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स (ट्विटर का बदला हुआ नाम) पोस्ट में कहा,

"मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत ही अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने उन्हें यूक्रेन की ताजा घटनाक्रम की जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद दिया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के संकल्प को दोहराया। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी करने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।"

ढट मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को भारत आने का भी दिया न्योता

राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच व्यापार, आर्थिक और निवेश सहयोग पर चर्चा हुई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक दोनों नेताओं ने इस हफ्ते मॉस्को पहुंचे ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ की यात्रा पर भी बातचीत की है।

पीएम मोदी ने पुतिन को इस साल के अंत में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। यह पुतिन की चार साल में पहली भारत यात्रा होगी।

ट्रंप के 25% एक्स्ट्रा टैरिफ के फैसले के एक दिन बाद ठरअ अजीत डोभाल ने रूसी राष ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

ट्रंप के 25% एक स ट्रा टैरिफ के फैसले के एक दिन बाद ठरअ अजीत डोभाल ने रूसी राष ट्रपति पुतिन से की मुलाकात

बांग्लादेश में कब होंगे आम चुनाव? चुनाव निकाय प्रमुख ने किया खुलासा

(जीएनएस)।

बांग्लादेश में आगामी आम चुनाव फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में आयोजित होंगे। यह घोषणा बांग्लादेश के चुनाव निकाय प्रमुख ने की है। हालांकि, इन चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासिर उद्दीन ने बताया कि चुनाव की सही तारीख की घोषणा कार्यक्रम से 2 महीने पहले की जाएगी।

नासिर उद्दीन ने स्वीकार किया कि लोगों का चुनाव प्रणाली, निर्वाचन आयोग और प्रशासनिक तंत्र पर से विश्वास कम हुआ है। उन्होंने कहा कि उनका कार्यालय इस खोए हुए विश्वास को फिर से हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सीईसी का यह बयान अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा फरवरी में चुनाव होने की घोषणा

के चार दिन बाद आया है।

उद्दीन ने मतदाताओं की उदासीनता पर चिंता व्यक्त की। उनका मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में लोग मतदान प्रक्रिया से दूर हुए हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक निर्वाचन आयोग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहेगा, तब तक सभी चुनावी कार्यवाही में नियमों और कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। उनका कार्यालय कई चुनौतियों के बावजूद कम समय सीमा के भीतर चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है।

इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी और उसके सहयोगी दल अगले साल फरवरी में प्रस्तावित चुनावों में गठबंधन के रूप में भाग लेंगे। जमात, जो कभी बीएनपी के नेतृत्व वाली चार-दलीय गठबंधन सरकार का हिस्सा थी (2001-2006), भी इसमें शामिल हो सकती है।

यह सब घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब 5 अगस्त, 2024 को स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के हिंसक प्रदर्शनों के बाद अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटा दिया गया था। तत्कालीन प्रधान मंत्री हसीना के देश छोड़ने के तीन दिन बाद, 8 अगस्त को मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार का पद संभाला था।

काकोरी रेलगाड़ी कांड एक्शन के 100 साल:लखनऊ के छेदीलाल धर्मशाला में बनी थी योजना, जीपीओ में चला ऐतिहासिक मुकदमा

(जीएनएस)।

लखनऊ के पास काकोरी में 9 अगस्त 1925 को हुई एक साहसी ट्रेन डकैती ने ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी थी। इस घटना को इतिहास में काकोरी रेलगाड़ी कांड के नाम से जाना जाता है, जिसे अब उत्तर प्रदेश सरकार ने काकोरी ट्रेन एक्शन का नाम दिया है।

इस क्रांतिकारी घटना ने न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी, बल्कि लखनऊ की दो ऐतिहासिक इमारतों-जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) और छेदीलाल धर्मशाला-को भी इस गौरवमयी इतिहास का हिस्सा बनाया। आइए, इस शताब्दी वर्ष में इन दोनों स्थानों के इस कांड से जुड़े महत्व को जानते हैं...

छेदीलाल धर्मशाला: क्रांतिकारियों का ठिकाना

लखनऊ के हलचल भरे अमीनाबाद इलाके में, झंडेवालान पार्क के सामने बनी छेदीलाल धर्मशाला वह गुप्त ठिकाना था, जहां क्रांतिकारियों ने काकोरी कांड की

योजना को अंतिम रूप दिया। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (ल्फ्श) के नेतृत्व में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने 8 अगस्त 1925 को इस धर्मशाला में इमरजेंसी मीटिंग की थी।

धर्मशाला के प्रबंधक रामनाथ गुप्ता के मुताबिक, राम प्रसाद बिस्मिल कमरा नंबर 211 (अब 227) में रुके थे। गोपनीयता बनाए रखने के लिए क्रांतिकारी छद्म नामों और फर्जी पतों के साथ यहां ठहरे थे, ताकि उनकी योजना ब्रिटिश पुलिस की नजरों से बची रहे।

क्रांतिकारी रामकृष्ण खत्री के पोते रोहित खत्री ने बताया, 'मेरे पिता उदय खत्री मुझे काकोरी के वीरों की कहानियां सुनाया करते थे। धर्मशाला में क्रांतिकारियों की बैठक इतनी गुप्त थी कि कई लोग एक-दूसरे को नहीं जानते थे, फिर भी एक मिशन के लिए एकजुट थे।' रोहित का सुझाव है कि धर्मशाला में एक छोटा संग्रहालय बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी को इस बलिदान की कहानी पता चले।

जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ): जहां चला ऐतिहासिक मुकदमा

लखनऊ के हजरतगंज में खड़ा जनरल पोस्ट ऑफिस पहले रिंग थिएटर के नाम से जाना जाता था। काकोरी कांड के बाद यहीं वह ऐतिहासिक मुकदमा चला, जिसमें क्रांतिकारियों को सजा सुनाई गई। शुरूआत में यह केस रोशनुद्दौला कचहरी में शुरू हुआ, लेकिन क्रांतिकारियों के समर्थन में उमड़ती भीड़ को देखते हुए अंग्रेजों ने इसे जीपीओ में स्थानांतरित कर दिया।

इंसाफ के लिए खून बहाया', आरजी कर रेप केस पीड़िता की मां ने ममता सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

(जीएनएस)।

कोलकाता के चर्चित आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप और मर्डर केस की पीड़िता की मां ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जब वह शनिवार, 9 अगस्त को सचिवालय नबन्ना की ओर निकल रही थीं, तो महिला पुलिस कर्मियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी की।

यह प्रदर्शन उस घटना की पहली बरसी पर आयोजित किया गया था, जिसमें पिछले साल एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की अस्पताल परिसर में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

नबन्ना मार्च में पुलिस की भारी तैनाती

पीड़िता की मां का कहना है कि पुलिस के साथ झड़प में उनकी पारंपरिक शंखा (सफेद शंख की चूड़ी) टूट गई और उनके सिर पर चोट आई। पीड़िता की मां ने कहा कि हम सिर्फ नबन्ना तक पहुंचना चाहते हैं और

अपनी बेटी के लिए इंसाफ मांगना चाहते हैं।

परिवार और समर्थकों द्वारा निकाले जा रहे नबन्ना मार्च को पुलिस ने डोरिना क्रॉसिंग पर रोक दिया। आरोप है कि भारी पुलिस बल तैनात कर प्रदर्शनकारियों को सचिवालय जाने से रोका गया। पीड़िता के पिता ने भी कहा कि कोर्ट से शांतिपूर्ण रैली की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस ने परिवार को डोरिना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोका।

इस प्रदर्शन में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी पहुंचे। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की थी कि वे पार्टी के झंडे के बिना रैली में शामिल हों। अधिकारी खुद भी कुछ बीजेपी विधायकों के साथ बिना पार्टी के बैनर और झंडे के पीड़िता के माता-पिता के साथ डोरिना क्रॉसिंग पर शामिल हुए।

अधिकारी ने आरोप लगाया कि "ममता बनर्जी प्रशासन इस भीड़ से डर गया है, जो न्याय की मांग कर रही है।" प्रदर्शनकारियों के हाथों में तिरंगा, पोस्टर और बैनर थे, जिन पर पीड़िता के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग लिखी हुई थी।

इस्तीफे और न्याय की मांग

रैली में शामिल लोगों ने ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम रही हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव से ही तय हो गया बंगाल का एजेंडा! एसआईआर से लेकर घुसपैठ तक इन मुद्दों पर होगा घमासान

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव सिर्फ एक प्रदेश तक सीमित नहीं रहने वाला है। इसका असर अगले साल होने वाले बंगाल चुनाव पर भी पड़ने वाला है। बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन से लेकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर आरोप, वोटों में धांधली जैसे मुद्दे विपक्षी दल प्रमुखता से उठा रहे हैं। इसके पलटवार में बीजेपी बांग्लादेशी घुसपैठियों से लेकर तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और राष्ट्रवाद के साथ हिंदुत्व के आसपास ही चुनाव लड़ेगी। ममता सरकार जिस तरह से रुख का विरोध कर रही है उसने भी तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है।

बिहार चुनाव में बीजेपी और एनडीए के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। बंगाल में टीएमसी के लगातार 15 साल की सत्ता को उखाड़ने के लिए बीजेपी पूरा दम लगा रही है। बिहार में बीजेपी को सरकार की विकास योजनाओं और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों पर खुद को डिफेंड करना है। बंगाल में उन्हें विपक्ष की शक्ति प्रदर्शन कर टीएमसी की डेढ़ दशक पुरानी सरकार को उखाड़ने के लिए संघर्ष करना है। दोनों प्रदेशों में भूमिका

अलग जरूर है, लेकिन एजेंडा एक ही रहने वाला है।

बिहार में विपक्षी दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं और दूसरी ओर ममता बनर्जी सरकार ने भी चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट संशोधन के मुद्दे पर दो साल का वक्त मांगा है। बीजेपी विपक्षी दलों पर हमलावर है कि अवैध वोटर्स के नाम हटाए जाने से आखिर किसी राजनीतिक पार्टी को क्या आपत्ति हो सकती है? इतना स्पष्ट हो चुका है कि अगले साल होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट संशोधन अहम मुद्दा रहने वाला है। इस मुद्दे पर बीजेपी और टीएमसी के बीच संग्राम पहले ही शुरू हो चुका है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर भी होगी तीखी तकरार

पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को लेकर बीजेपी टीएमसी सरकार पर हमलावर रही है। बिहार के सीमांचल में भी घुसपैठ और डेमोग्राफी बदलने का दावा बीजेपी करती रही है। बंगाल विधानसभा चुनाव में घुसपैठियों को रोकने और सीमा सुरक्षा का मुद्दा चुनाव में अहम रहने वाला है।

ममता बनर्जी बीजेपी के विरोध में हमेशा यह तर्क देती रहती हैं कि एक समुदाय विशेष को परेशान करने के उद्देश्य से घुसपैठियों का बहाना बीजेपी बनाती है।

भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के नाम पर चलेंगे तीर

बीजेपी का दावा हमेशा भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाने का रहा है। बिहार में लालू राज में भ्रष्टाचार और अपराध के लिए बीजेपी चारा खाने वाले से लेकर जंगलराज जैसे जुमले गढ़ती रही है। दूसरी तरफ आरजेडी और टीएमसी दोनों ही पार्टियों का भरोसेमंद वोट बैंक मुस्लिम वर्ग है। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी के सभी बड़े नेता इन पार्टियों पर तुष्टिकरण का आरोप लगाती रही हैं। बिहार के बाद बंगाल में भी चुनाव के दौरान यह अहम मुद्दा रहने वाला है।

कौन थे कन्हैया लाल टेलर? 'उदयपुर फाइल्स' में कहानी पूरी, असल जिंदगी में न्याय अब भी अधूरा

(जीएनएस)।

राजस्थान के बहुचर्चित कन्हैया लाल टेलर हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' 8 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देशभर के 4,500 स्क्रीन पर यह फिल्म दिखाई जा रही है। फिल्म की वास्तविक कहानी का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सच यह है कि पीड़ित परिवार को अब तक पूरा न्याय नहीं मिला है।

दरअसल, कन्हैया लाल टेलर हत्याकांड का ट्रायल धीमी गति से चल रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठक्ञ) की विशेष अदालत में मामले की सुनवाई हो रही है, लेकिन विडंबना यह है कि बीते डेढ़ महीने से ठक्ञ कोर्ट में जज ही नहीं है और सुनवाई लिंक कोर्ट के भरोसे चल रही है। ट्रायल शुरू होने के 15 माह में अब तक 40 पेशियां हो चुकी हैं और मामले में 166 गवाहों को शामिल किया गया है।

कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी

3 फरवरी 2024 को विशेष कोर्ट ने इस मामले में नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। इनमें उदयपुर के रियाज अत्तारी, मोहम्मद गौस, आसिफ हुसैन, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली, मोहम्मद खान, मोहम्मद जावेद, मुस्लिम खान और फरहाद मोहम्मद शामिल हैं।

फिल्म देखते समय भावुक हुए बेटे

शुक्रवार को 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म का पहला शो सुखेर स्थित

अरबन स्क्वायर मॉल में हुआ। कन्हैया लाल टेलर के दोनों बेटे यश और तरुण ने सिनेमा हॉल की एक कुर्सी पर पिता की तस्वीर रखकर फिल्म देखी। जैसे ही फिल्म में आतंकियों द्वारा कन्हैया लाल की बर्बर हत्या वाला दृश्य आया, दोनों बेटे बिलख पड़े।

आरोपियों को फांसी की मांग

मीडिया से बातचीत में यश और तरुण ने कहा कि परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है, लेकिन उन्हें पूरा विश्वास है कि एक दिन न्यायालय आरोपियों को फांसी की सजा सुनाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मां फिल्म देखने नहीं आईं, क्योंकि जब उन्हें यह फिल्म पहले दिखाई गई थी, तो वे इसे देख भी नहीं पाई थीं।

कन्हैया लाल टेलर हत्याकांड टाइमलाइन (2022-2025)

11 जून 2022: उदयपुर के गोवर्धन विलास इलाके में रहने वाले कन्हैया लाल तेली उर्फ कन्हैया लाल साहू, धानमंडी इलाके में दर्जी का काम करते थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पड़ोसी नाज़िम ने उनके खिलाफ नुपुर शर्मा के समर्थन में की गई कथित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर केस दर्ज कराया था। इस मामले में कन्हैया लाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया, लेकिन बाद में जमानत पर रिहा कर दिया।

15 जून 2022: कन्हैया लाल ने उदयपुर पुलिस से सुरक्षा की मांग की और आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने नाज़िम और 5 अन्य के खिलाफ शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने मामला समझौते से निपटा दिया।

28 जून 2022: दो हमलावर मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ग्राहक बनकर कन्हैया लाल दर्जी की दुकान पर पहुंचे। माप लेने के दौरान धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी और गला काटने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

हत्या के विरोध में लगभग 7,000 लोगों ने उदयपुर में मौन विरोध मार्च निकाला। आरोपियों को पुलिस ने राजसमंद जिले से गिरफ्तार किया। घटना के बाद उदयपुर में कर्फ्यू और इंटरनेट बंद कर दिया गया। राजस्थान सरकार ने परिवार को ₹50 लाख मुआवजा देने की घोषणा की।

'उदयपुर फाइल्स' फिल्म एक नजर में

निर्देशक: भरत एस. श्रीनेत, जयंत सिन्हा

लेखक: भरत सिंह, जयंत सिन्हा, अमित जानी

आधारित: 28 जून 2022 को कन्हैया लाल टेलर की हत्या पर

निमार्ता: अमित जानी

प्रोडक्शन कंपनी: जानी फायरफॉक्स फि ल्म्स

अपनी बहनों के सबसे करीब हैं ये भारतीय खिलाड़ी, रक्षाबंधन पर जानिए इनकी दिलचस्प कहानी

(जीएनएस)।

रक्षाबंधन सिर्फ एक त्योहार नहीं, एक ऐसा भाव है जो भाई-बहन के अटूट रिश्ते को और मजबूत करने का काम करता है। मैदान पर अपने दमदार प्रदर्शन से लाखों दिल जीतने वाले भारतीय क्रिकेटर्स भी अपनी बहनों के बेहद करीब हैं। चाहे मैदान में जीत हो या जिंदगी में कोई मुश्किल, इन खिलाड़ियों की बहनें हमेशा उनके साथ खड़ी रही हैं। रक्षाबंधन 2025 के इस खास मौके पर आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही क्रिकेटर्स और उनकी बहनों की दिलचस्प कहानियां के बारे में...।

विराट कोहली और भावना कोहली ढींगरा

भारतीय क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी से कई उपलब्धि हासिल करने वाले विराट कोहली भावना ढींगरा के छोटे भाई हैं। भावना ने हमेशा विराट को जिंदगी की हर चुनौती से लड़ने का हौसला दिया। विराट भी कई बार इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनकी सफलता के पीछे भावना का बड़ा हाथ रहा है। भावना आज विराट कोहली के बिजनेस को भी आगे बढ़ाने में उनकी मदद करती नजर आती हैं।

ऋषभ पंत और साक्षी पंत

ऋषभ पंत और उनकी बहन साक्षी की जोड़ी सोशल मीडिया पर खूब छाई रहती है। साक्षी फिलहाल यूके में पढ़ाई

कर रही हैं, लेकिन भाई के हर मैच में उनका उत्साह देखते ही बनता है। वह पंत की सबसे बड़ी फैन हैं। कई मौकों पर ऋषभ पंत को अपनी बहन के साथ देखा जा चुका है। पंत ने अपनी बहन की सगाई धूम धाम से की थी। इस सगाई में धोनी सहित कई दिग्गज मौजूद थे।

शुभमन गिल और शाहनील गिल

शुभमन गिल की बहन शाहनील सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और भाई को लगातार सपोर्ट करती हैं। शुभमन कई बार कह चुके हैं कि बहन की प्रेरणा ने उन्हें मेहनत और अनुशासन सिखाया। शुभमन गिल ने कई इंटरव्यू में अपनी बहन का जिक्र किया है और साथ ही बताया है कि उनकी बहन ने कैसे उनके सफर में मदद की है।

जसप्रीत बुमराह और जुहिका बुमराह

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बहन जुहिका एक टीचर हैं। बुमराह के लिए उनकी बहन सिर्फ एक फैमिली मेंबर नहीं, बल्कि मार्गदर्शक भी हैं। दोनों की बॉन्डिंग बेहद मजबूत है। ये बात अलग है कि जुहिका लाइम लाइट से दूर रहती हैं और अपनी टीचिंग लाइफ को एन्जॉय करती दिखाई देती हैं।

दीपक चाहर और मालती चाहर

दीपक और मालती चाहर की जोड़ी मजेदार और मस्ती से भरी है। मॉडल और एक्ट्रेस मालती हमेशा भाई को मोटिवेट करती हैं और उनके मैचों के दौरान सोशल मीडिया पर खास एक्टिव रहती हैं।

अजिंक्य रहाणे और अपूर्वा रहाणे

अजिंक्य रहाणे जितने शांत मैदान पर रहते हैं, उतनी ही गहराई उनके और बहन अपूर्वा के रिश्ते में भी है। दोनों का रिश्ता पारिवारिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है।

रवींद्र जडेजा और नयना जडेजा

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की बहन नयना उनके लिए हमेशा सपोर्ट का मजबूत स्तंभ रही हैं। नयना का साथ उनके करियर की कई मुश्किल घड़ियों में भी बना रहा।

एमएस धोनी और जयंती गुप्ता

'कैप्टन कूल' एमएस धोनी की जिंदगी में उनकी बहन जयंती गुप्ता का अहम रोल रहा है। धोनी भले ही मैदान पर बेहद शांत दिखते हों, लेकिन बहन के साथ उनका रिश्ता बहुत भावुक है।